संपादकीय

महामारी में सेवा ही सबसे बड़ा धर्म

भारत सदैव से ही धर्म प्रधान देश रहा है। यह भी कह सकते हैं कि भारत की आत्मा ही धर्म है। हमारे महर्षियों ने धर्म की परिभाषा देते हुए उसे किसी विशेष पूजा पद्धति एवं संप्रदाय आदि से नहीं जोड़ा, अपितु यह कहा है कि धर्म के दस लक्षण हैं। धृतिः अर्थात् धैर्य, क्षमा, दम अर्थात् मानसिक वृत्तियों का निग्रह, अस्तेय अर्थात अन्याय से दूसरे का धन न लेना, शौच का अर्थ है पवित्रता, आंतरिक भी और बाहरी भी। इंद्रिय निग्रह धर्म का छठा लक्षण है। इसका सरल भाषा में अर्थ यह है कि इंद्रियों को बुरे विषयों से हटाकर पवित्र विषयों की ओर प्रेरित करना है और धी तो बुद्धि है, जो मानव को मानव बनाती है। विद्या प्राप्ति अर्थात वह विद्या जो सत्य, असत्य की पहचान करवाती है। सत्य धर्म का महत्वपूर्ण लक्षण है। सभी ऋषियों ने यह स्वीकार किया है कि सत्य से बढ़कर कोई पुण्य नहीं और झूठ से बढ़कर कोई पाप नहीं। क्रोध न करना भी धर्म है। यद्यपि पाप और अत्याचार का नाश करने के लिए सात्विक क्रोध को उत्तम माना गया है।

इसके अतिरिक्त सत्यार्थ प्रकाश के प्रथम संस्करण में अहिंसा को ही धर्म स्वीकार करते हुए धर्म के 11 लक्षण बताए हैं। अब प्रश्न यह पैदा होता है कि अनादि काल से धर्म की जो व्याख्या हमारे ऋषियों-महर्षियों ने दी, क्या हम सब उनका अनुसरण करते हैं। अब प्रश्न यह पैदा होता है कि हमारे देश में और दुनिया में धर्म के नाम पर जो झगड़े होते हैं, क्या वे धर्म के नाम पर होते हैं। धर्म की जो परिभाषा भारतीय ऋषियों ने दी, क्या उसको अपनाकर कोई दूसरों का सिर तोड़ सकता है, किसी के घर को आग के हवाले कर सकता है, दंगा-फसाद कर सकता है? आज जब विश्व और हमारा देश कोरोना महामारी की भयानक चपेट में है। लाखों लोग मौत के मुंह में चले गए। लाखों जिंदगी बचाने के लिए तड़प रहे हैं। अनेक मृतक अंतिम संस्कार का सम्मान भी न पा सके और हजारों मृतक शरीर देश की नदियों में न जाने किस मजबूरी से परिजनों ने बहा दिए। ऐसे समय में धर्म केवल एक ही है और वह है उनकी सेवा करना जो महामारी की चपेट में आकर जिंदगी के लिए तरस रहे हैं।

प्रश्न है कि क्या उन एक हजार डाक्टरों से बड़ा कोई धार्मिक है जो कोरोना से दूसरों को बचाते हुए अपने जीवन से हाथ धो बैठे। हजारों ही ऐसे स्वास्थ्य कर्मी हैं जो उन लोगों का जीवन बचाने में लगे हुए हैं, जिनके निकट जाने में उनके अपने परिजन भी परहेज करते थे। अगर आज धर्म की परिभाषा सही अर्थों में अपना रहे हैं तो वे धार्मिक महामानव हैं जो सड़कों पर ही आक्सीजन के लंगर लगाकर बैठे हैं। जो लाखों कोरोना पीड़ित परिवारों के घरों का दरवाजा खटखटाकर उन्हें शुद्ध पौष्टिक भोजन देकर आते हैं। जरा चंडीगढ़ के पीजीआई के आगे जाकर धर्म के काम को देखिए। 18 घंटे से भी ज्यादा समय लंगर बांटने वालों की कभी समाप्त न होने वाली पंक्ति और लंगर पकाने वालों का कभी भी न थकना धर्म की सही परिभाषा समझाता, सिखाता है। यह सही है कि वे कभी सरकारी चर्चा में नहीं आए और उन्हें इसकी आवश्यकता भी नहीं। देश के लाखों युवक ऐसे हैं जो रोगियों के लिए खूनदान करने का एक संदेश पाते ही अपना खून देने के लिए अस्पतालों और ब्लड बैंक की तरफ दौड़ पड़ते हैं। अगर वास्तव में ही किसी विशेष ढंग से पूजा करना, किसी विशेष संप्रदाय के पूजा स्थलों पर जाकर अपनी उपस्थिति का अहसास करवाना या अपने नाम से दान की घोषणा करवाकर किसी तथाकथित धार्मिक संस्था का मुखिया बन जाना धर्म है तो निश्चित ही यह कार्य तो उस व्यक्ति ने भी किया होगा जो दिल्ली की खान मार्केट में सैकड़ों आक्सीजन के सिलेंडर छिपाकर कालाबाजारी करने और नोट कमाने के लिए लोगों की जिंदगी को मौत के मुंह में धकेलने का कुप्रयास कर रहा था। जो सूरत के एक अस्पताल का मालिक दवाओं का निर्माता नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बनाकर जबलपुर तक बेच कर करोड़ों कमाने के लिए लगा रहा, वह भी तो किसी पूजा पद्धति से जुड़ा होगा।

-लक्ष्मीकांता चावला

भारत में 500 अरब डॉलर का निवेश करेगी अमेरिका की लैंडोमस कंपनी, कर्मचारियों की संख्या है सिर्फ 19

नई दिल्ली। अमेरिका की एक अनजान कंपनी ने भारत की राष्ट्रीय संरचना पाइपलाइन (एनआईपी) में इक्विटी के रूप में 500 अरब डॉलर का निवेश करने की पेशकश की है। इस अमेरिकी कंपनी लैंडोमस रियल्टी वेंचर्स के कर्मचारियों की संख्या सिर्फ 19 है और इसका राजस्व 1.5 करोड़ डॉलर है। कंपनी की वेबसाइट सिर्फ एक पेज की है। लैंडोमस रियल्टी ने विज्ञापनों के जरिये तथा अपनी वेबसाइट पर बयान जारी कर कहा है कि वह भारत निर्माण के तहत एनआईपी और भारत सरकार की सूचीबद्ध गैर-एनआईपी परियोजनाओं में 2,000 अरब डॉलर के निवेश के पहले चरण में इक्विटी के रूप में 500 अरब डॉलर का निवेश करना चाहती है। लैंडोमस समूह के चेयरमैन प्रदीप कुमार सत्यप्रकाश ने कहा कि उनका समूह भारत के पुनःनिर्माण और 5,000 अरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लक्ष्य के लिए सरकार की मदद करना चाहता है। विज्ञापन में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से जारी अपील में कहा, ''लैंडोमस समूह नव भारत के आपके दृष्टिकोण में योगदान करने का अवसर चाहता है। हमारा आपसे आग्रह है कि हमें यह अवसर प्रदान किया जाए।'' दिलचस्प बात यह है कि यह एक अनजान सी कंपनी है और इसके बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। कंपनी की वेबसाइट भी एक ही पेज की है जिसपर अधिक ब्योरा उपलब्ध नहीं है। कंपनी के कर्मचारियों की संख्या मात्र 19 है। वेबसाइट पर कंपनी का पता अमेरिका के न्यूजर्सी का है। जूमइन्फो लैंडोमस रियल्टी वेंचर्स का गठन भारत में जमीन के टुकड़ों के अधिग्रहण और 'लैंड बैंक' बनाने के लिए किया गया था। कंपनी के ई-मेल पते पर भेजे गए मेल का जवाब नहीं मिला। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिसंबर, 2019 में एनआईपी की घोषणा की थी। एनआईपी के तहत वित्त वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक कुल 111 लाख करोड़ रुपये के बुनियादी ढांचा निवेश का अनुमान है।

100 इलेक्ट्रिक बसों के लिए ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक, ईवे ने लगाई सबसे कम बोली

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक बस विनिर्माता ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक और उसकी सहयोगी कंपनी ईवे ट्रांस प्राइवेट लिमिटेड का गठजोड़ 100 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति के लिए सबसे कम बोली लगाने वाले के रूप में उभरा है। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया, ''ईवे ट्रांस प्राइवेट लिमिटेड और ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के गठजोड़ को एक राज्य परिवहन निगम द्वारा भारत सरकार की फेम-1 योजना के तहत 100 इलेक्ट्रिक बसों (अंतर-महानगरीय परिचालन के लिए) के लिए न्यूनतम बोलीदाता घोषित किया गया है।'' ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने कहा कि 100 इलेक्ट्रिक बसों के लिए ठेका मिलने का पत्र प्राप्त होने के बाद ईवे इन इलेक्ट्रिक बसों को ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड से खरीदेगा और 10 महीने की अवधि में इनकी डिलीवरी कर दी जाएगी।

भारत में लॉन्च हुआ कोरोना का एंटीबॉडी कॉकटेल, कीमत 59,750 प्रति खुराक

नई दिल्ली। प्रमुख दवा कंपनी रोश इंडिया और सिप्ला ने आज भारत भारत में रोश के एंटीबॉडी कॉकटेल को पेश करने की घोषणा की, जिसकी कीमत 59,750 रुपये प्रति खुराक है और जो कोविड-19 के अत्यधिक बीमार मरीजों के इलाज के लिए है। सिप्ला और रोश ने एक संयुक्त बयान में कहा, ''एंटीबॉडी कॉकटेल (कैसिरिविमैब और इमदेविमाब) की पहली खेप भारत में उपलब्ध है, जबकि दूसरी खेप जून के मध्य तक उपलब्ध होगी। कुल मिलाकर इन खुराकों से दो लाख रोगियों का इलाज किया जा सकता है।'' सिप्ला देश भर में अपनी मजबूत वितरण क्षमता की मदद से इस दवा का वितरण करेगी। बयान के मुताबिक प्रत्येक रोगी के लिए खुराक की कीमत 59,750 रुपये होगी, जिसमें सभी कर शामिल हैं। बयान में आगे कहा गया कि दवा प्रमुख अस्पतालों और कोविड उपचार केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध होगी।

कोरोना से कर्मचारी की मौत पर परिवार को 60 साल तक पूरी सैलरी देगी टाटा स्टील, बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी करेगी वहन

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के बीच जब पूरा देश जूझ रहा है, टाटा स्टील ने अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा के लिए सोशल सिक्योरिटी स्कीम का ऐलान किया। इस स्कीम के ऐलान के बाद से ही कंपनी चर्चा में है। कम्पनी ने अपने फ्रंटलाइन कर्मचारियों जिनके जॉब के एक हिस्से के क्रम में कोविड-19 के कारण निधन हुआ है, उनके बच्चों की भारत में स्नातक तक की शिक्षा का पूरा खर्च वहन करने की घोषणा की है। साथ ही सामाजिक सुरक्षा स्कीम के तहत मृतक का अंतिम वेतन नॉमिनी को कर्मचारी या नॉमिनी के 60 वर्ष की उम्र तक प्रतिमाह दिया जाएगा। इसके साथ मेडिकल और क्वार्टर की सुविधा भी मिलेगी। टाटा स्टील प्रबंधन ने कहा है कि कंपनी अपने कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के तहत मदद करने की हरसंभव पहल कर रही है, ताकि कंपनी में कार्यरत हर कर्मचारी का भविष्य बेहतर हो। टाटा प्रबंधन ने कहा है कि यदि कोरोना के कारण किसी कर्मचारी की मौत होती है तो टाटा स्टील उनके आश्रितों को 60 वर्ष तक पूरा वेतन देगी। इसके अलावा सभी फ्रंटलाइन वर्कर्स की ड्यूटी के दौरान मौत होने पर उनके बच्चों के भारत में ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई का पूरा खर्च कंपनी उठाएगी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों की मौत होने के बाद उनके आश्रितों को अच्छी रकम और पेंशन जैसी सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को कुछ खास नहीं मिलता था। लेकिन कोरोना संकट के दौर में खासकर दिग्गज प्राइवेट कंपनियों ने इस दिशा में दरियादिली दिखाते हुए अच्छी पहल की है।

टाटा स्टील ने एक बयान में कहा, कंपनी हमेशा से अपने कर्मचारियों और स्टेक होल्डर्स के लाभ की दिशा में सोचती रही है। कोविड के दौर में भी टाटा स्टील अपने सभी कर्मचारियों और समुदाय के सामाजिक कल्याण के लिए लगातार प्रयासरत है। इससे पहले भी टाटा ने कर्मचारियों के हित में कई कदम उठाए हैं और स्टैंडर्ड सेट किया है।

जेएसपीएल ने तेलंगाना, आंध्र प्रदेश को 1,100 टन तरल ऑक्सीजन उपलब्ध कराई

हैदराबाद। जिंदल स्टील एंड पवार लि. (जेएसपीएल) ने अपने अंगुल स्टील संयंत्र से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को 22 मई तक 1,100 टन तरल चिकित्सीय ऑक्सीजन (एलएमओ) उपलब्ध कराई है। जेएसपीएल ने कहा कि 21 अप्रैल से 22 मई तक उसने अपने स्टील प्लांट से कई राज्यों के विभिन्न अस्पतालों को 2,400 टन एलएमओ मुहैया कराई है। जेएसपीएल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को आवंटित की गई ऑक्सीजन के अनुसार उसने सड़क परिवहन और रेलवे के माध्यम से तेलंगाना को 600 मीट्रिक टन और आंध्र प्रदेश को 510 मीट्रिक टन तरल चिकित्सीय ऑक्सीजन पहुंचाई हैं। ''हम उन राज्यों में अधिक ऑक्सीजन का योगदान देने के लिए तैयार हैं, जहां लोगों की कीमती जीवन बचाने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत है। हम ऑक्सीजन की आखिरी बूंद की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं क्योंकि हम राष्ट्र पहले की नीति में विश्वास करते हैं।

दिवाली के आसपास रिलीज होगी डिस्को डांसर

मिथुन चक्रवर्ती स्टारर सदाबहार डांस म्यूजिकल ब्लॉकबस्टर डिस्को डांसर को एक म्यूजिकल के रूप में बनाया जा रहा है, और इसे इस साल दिवाली के आसपास रिलीज करने की योजना है। संगीतकार जोड़ी सलीम सुलेमान द्वारा अभिनीत परियोजना पर काम पिछले साल शुरू हुआ था और शुरूआती योजना मई 2020 में संगीत को लॉन्च करने की थी। हालांकि, लॉकडाउन के कारण इसे मार्च में रोकना पड़ा, और दिवाली के आसपास अब रिलीज की एक नई तारीख तय हो रही है।

सलीम मर्चेंट ने बताया हम डिस्को डांसर को फिर से शुरू कर रहे हैं। हम में से कुछ को टीका लगाया गया है। चीजें अभी बहुत बदल गई हैं और हम इसे फिर से शुरू करना चाहते हैं, सभी ने पहली खुराक ले ली है। हम इसे जारी करने के लिए लगभग तैयार हैं, लेकिन चीजें थोड़ा प्रारंभिक है। हम इसे दिवाली के करीब रिलीज करने की उम्मीद कर रहे हैं।

उन्होंने डिस्को डांसर का फैसला क्यों किया, इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह मिथुन चक्रवर्ती की सबसे बड़ी फिल्म थी। इस फिल्म के सभी गाने बड़े हिट हैं, चाहे वह याद आ रहा है, आई एम ए डिस्को डांसर, गोरों की ना कलों की, जिमी जिमी, आउवा आउवा संगीत की दृष्टि से, इसमें बहुत सारे अद्भुत गाने हैं। संगीत शैली के संदर्भ में, जो डिस्को है, यह कभी भी फैशन से बाहर नहीं जा सकता है। यह अभी भी मौजूद हैं और लोग अभी भी इसे पसंद करते हैं, इस पर नाचते हैं, इसका आनंद लेते हैं, इसे सुनते हैं। इसका एक क्लासिक स्पर्श है। सलीम ने कहा, हमने डिस्को डांसर के अधिकार बी. सुभाष से लिए हैं। हमारी कंपनी ग्रेविटी जीरो (एंटरटेनमेंट) मूल रूप से संगीत बनाने वाली कंपनी है। हमने इससे पहले उमराव जान बनाई थी।

तमिल शख्स के साथ शादी करना चाहती हैं रश्मिका मंदाना, खुद किया खुलासा

साउथ इंडस्ट्री की मशहूर और सबसे खूबसूरत खूबसूरत अभिनेत्री कहीं जाने वाली रश्मिका मंदाना ने पिछले एक दो सालों में अपनी फिल्मों से दर्शकों का दिल जीता है। उनकी खूबसूरती और अदाकारी की वजह से आज वो साउथ फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री पर राज करने वाली है। जी हां रश्मिका मंदाना आने वाले दिनों में ना सिर्फ साउथ की बल्कि बॉलीवुड की भी कई फिल्मों में दिखाई देने वाली है। जिसका ऐलान बीते दिनों किया जा चुका है। रश्मिका मंदाना साउथ की एक लीडिंग एक्ट्रेस है। जिन्होंने अब तक कन्नड़, तमिल और तेलुगू फिल्मों में काम किया है। इन तीनों ही भाषा की फिल्मों में उन्होंने अपनी एक खास जगह बनाई है और उनके क्यूट एक्सप्रेशन की वजह से रश्मिका मंदाना को नेशनल क्रश तक कहा जाता है। रश्मिका मंदाना के लिए ऐसा कहा जाता है कि वो अपने को स्टार अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ अफेयर को लेकर सुर्खियों में बनी थी। हालांकि अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने साफ कर दिया कि वो अभिनेता विजय देवरकोंडा को डेट नहीं कर रही है। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हाल ही में एक खास बातचीत में इस बात का खुलासा किया है कि कैसे शख्स के साथ शादी करना चाहती है। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बताया कि, उनको तमिल खाना बहुत पसंद है। ऐसे में एक तमिल शख्स के साथ शादी करना चाहती हैं।

रिलीज से पहले राजामोली की ट्रिपल आर दर्ज किया इतिहास, 475 करोड़ फाइनल हुई डील

बाहुबली जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म बनाने वाले डायरेक्टर एस एस राजामौली इन दिनों अपनी अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। बता दें कि एस एस राजामौली पिछले काफी समय से फिल्म ट्रिपल आर की शूटिंग कर रहे हैं। ट्रिपल आर साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मेगा बजट फिल्मों की लिसट में आती है जिसमे बॉलीवुड और साउथ के कई कलाकार मुख्य किरदार में नजर आने वाले है। जिसमे राम चरण, जूनियर एनटीआर, अजय देवगन और आलिया भट्ट जैसे कलाकार नजर आएंगे। ऐसे में दर्शक राजामौली की इस फिल्म का इंतजार उस वक्त से कर रहे है जब इसका ऐलान मेकर्स ने किया था। ट्रिपल आर एक पैन इंडिया फिल्म है। जिसको लेकर दर्शकों का उत्साह सातवें आसमान पर है। फिल्म ट्रिपल आर की शूटिंग कुछ प्रतिशत बाकी है।

आज का राशिफल

मेषः स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। धर्नाजन होगा, जोखिम न लें। प्रय एवं दूरदर्शिता से सहयोग एवं समर्थन मिलेगा।

वृषभः विवाद से क्लेश होगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वस्तुएं संभालकर रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। कहासुनी, बहस हो सकती है।

मिथुनः प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। मनोरंजक यात्रा होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान मिलने की संभावना है।

कर्कः अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। व्यापारिक उन्नति होगी।

सिंहः यात्रा मनोरंजक रहेगी। वरिष्ठ जन सहयोग करेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। धनलाभ के अवसर आएँगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी।

कन्याः घर में अशांति रह सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। तनाव रहेगा। जल्दबाजी न करें। नौकरी, व्यवसाय में इच्छित वातावरण तैयार होगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

तुलाः वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। बकाया वसूली होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। धनार्जन होगा। आलस्य को त्यागकर प्रत्येक काम समय पर करें।

वृश्चिकः नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। आजीविका में प्रगति होगी।

धनुः देव दर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। बाहरी सहयता मिलेगी। रुके कार्य बनेंगे। सुखद यात्रा के योग बनेंगे।

मकरः कष्ट, भय, तनाव का माहौल बनेगा। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। शत्रु पक्ष से सतर्क रहें। आपके कार्यों की परिवार एवं समाज में प्रशंसा होगी।

कुंभः वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य कर पाएँगे। अनसोचे काम होंगे।

मीनः घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बाहरी सहायता प्राप्त होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा।

मेहमानों के लिए बनाएं पुदीने की कचौड़ी

पुदीना खाने के साथ-साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। चटनी, रायता, पराठा तो आपने खाया होगा, लेकिन क्या आपने पुदीना कचौरी का नाम सुना है। इसे बहुत ही आसानी से घर पर बना सकती हैं।

सामग्री :

4 टी-कप आटा, 1 टी-कप पुदीना, 1 चम्मच जीरा, 2 हरी मिर्च, थोड़ा सा बेकिंग सोडा, स्वादानुसार नमक, आवश्यकतानुसार तेल, थोड़ी सी अदरक, आधा चम्मच धनिया पाउडर, आधा चम्मच सौंफ पाउडर, थोड़ी सी हींग

विधि :

- सबसे पहले पुदीने की पत्तियों को अच्छे से साफ कर लीजिए और काटकर अलग रख लीजिए।
- अब एक बर्तन में आटा लें और इसमें पुदीना के साथ जीरा, बेकिंग सोडा, हरी मिर्च और नमक डालकर आटा गूंध लें।
- अब इसे लगभग 10-12 मिनट के लिए ढककर अलग रख दीजिए।
- फिर आटे की छोटी-छोटी लोई बनाकर उन्हें बेल लीजिए।
- एक कड़ाही में तेल गरम करें और इन्हें अच्छे से तल लीजिए।
- इन्हें अचार या चटनी के साथ किसी प्लेट में निकालकर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 89

बाएं से दाएं
1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे
1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

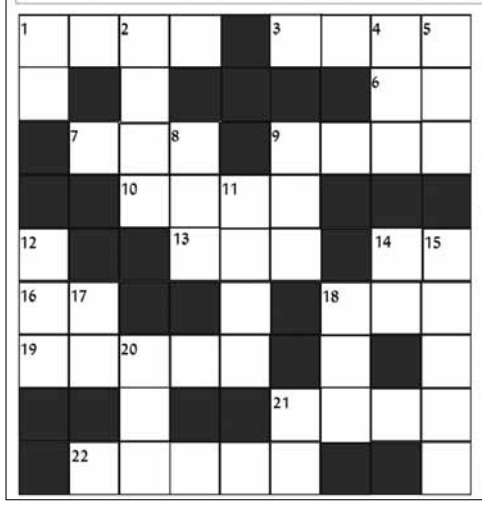

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 88 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

सू-दोकू- 89

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.88 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2	■	1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5